INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

महबूबा मुफ्ती को रिहा किया जाना चाहिए

By : Editor Published On : 2 Aug, 2020 06:03 PM IST

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की रिहाई की मांग करते हुए केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए। राहुल गांधी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र उस समय क्षतिग्रस्त हो गया था, जब नेताओं को हिरासत में लिया गया। दरअसल, राहुल गांधी जम्मू कश्मीर में पिछले साल अनुच्छेद-370 हटाए जाने के वक्त हिरासत में लिए गए नेताओं का जिक्र कर रहे थे।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'भारत का लोकतंत्र उस समय क्षतिग्रस्त हो गया था, जब भारत सरकार ने अवैध रूप से नेताओं को हिरासत में ले लिया था। अब महबूबा मुफ्ती को रिहा किया जाना चाहिए।' महबूबा मुफ्ती पिछले साल पांच अगस्त से हिरासत में हैं।
जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की हिरासत को शुक्रवार को तीन महीने तक के लिए और बढ़ा दिया गया था। उन्हें जन सुरक्षा कानून के तहत नजरबंद रखा गया है। मुफ्ती के अलावा, जम्मू-कश्मीर के कई नेता नजरबंद हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन कुछ महीने पहले ही उन्हें रिहा कर दिया गया। वहीं, शुक्रवार को ही सरकार ने पीपुल्स कॉन्फ्रेंस नेता सज्जाद लोन को रिहा किया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिछले लंबे समय से लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। राहुल केंद्र सरकार पर भारत-चीन विवाद, कोरोना वायरस, लॉकडाउन, अर्थव्यवस्था संबंधित विभिन्न मुद्दों पर निशाना साधते रहे हैं। हाल ही में राहुल गांधी ने पिछले कुछ महीनों में लाखों लोगों के अपनी भविष्य निधि से पैसे निकालने से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि कोरोना वायरस महामारी को रोकने में विफल रहने वाली सरकार अब भी लोगों को शानदार झूठे सपने दिखा रही है PLC.

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/महबूबा-मुफ्ती-को-रिहा-किय/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

www.internationalnewsandviews.com

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com